एक नजर में

देवनारायण गुर्जर महिला मण्डल ने मनाया फाग महोत्सव

मंदसौर। कालाखेत स्थित देवनारायण देवरा में कल देवनारायण गुर्जर महिला मण्डल के द्वारा फाग महोत्सव मनाया गया। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, अनुराधा नवकृष्ण पाटील, पूर्व पार्षद रंजना सुदीप पाटील, कांता गुर्जर, सम्पत गुर्जर, रामकन्या गुर्जर, संगीता गुर्जर, संगीता बिरला, यशोदा गुर्जर, लीला गुर्जर, जीना गुर्जर, ममता गुर्जर, इन्द्रा गुर्जर, माया गुर्जर, पेपा गुर्जर ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर फाग उत्सव मनाया। महिलाओं ने इस मौके पर होली के पर्व के गीत गाये और एक दूसरे को होली के पर्व की बधाई दी।

दलौदा में आयोजित हुई ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं

मन्दसौर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्र भारत सरकार के द्वारा मेरा भारत युवा केंद्र के अंतर्गत मंदसौर ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता अटल बिहारी खेल परिसर दलौदा आयोजित की गई, प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा दलौदा मंडल अध्यक्ष श्री सुमित सेन एवं सुमन पब्लिक स्कूल के संचालक श्री अमित जैन उपस्थित थे, अतिथियों का स्वागत एंब्रोम्ज वॉल्टर, अभिषेक सेठिया, चंदन शर्मा, बद्रीलाल चौहान, हेमंत सेन, लक्की गौड़, विष्णु आदि ने स्वागत किया था। खिलाड़ियों ने इस दौरान बालक- बालिका वर्ग में कबड्डी, खो- खो, रस्साकस्सी, 200 मीटर एवं 400 मीटर दौड़ और गोला फेंक प्रतियोगिता में भाग लिया था। प्रतियोगिता के समापन अवसर के रूप में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष नानालाल आटोलिया, दलौदा पी.जी कॉलेज के जनभागीदारी के अध्यक्ष हेमन्त धनोतिया, सांसद प्रतिनिधि बंसीलाल राठौर, पूर्व सरपंच दिनेश पंवार आदि उपस्थित थे। अतिथियों की स्वागत के पश्चात खिलाड़ियों को विजेता और उपविजेता को ट्रॉफी व मेडल से सम्मानित किया गया।

रबी विपणन वर्ष 2026-27 हेतु गेहूं पंजीयन की अंतिम तिथि 7 मार्च

मंदसौर। जिला अपूर्ति अधिकारी द्वारा बताया गया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय करने हेतु किसान पंजीयन की प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। शासन द्वारा पंजीयन की अंतिम तिथि 7 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। शासन निर्देशानुसार समय-सीमा समाप्त होने के पश्चात पंजीयन की तारीख आगे नहीं बढ़ाई जाएगी। अत: किसान भाई पंजीयन हेतु अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भूमि संबंधी दस्तावेज (ऋण पुस्तिका) और आधार से लिंक मोबाइल नंबर साथ लेकर अपने नजदीकी निर्धारित पंजीयन केंद्रों, एमपी ऑनलाइन कियोस्क, या कॉमन सर्विस सेंटर (ष्टस्ष्ट) पर जाकर अपना पंजीयन समय रहते पूर्ण कराएं। अंतिम दिनों में सर्वर पर दबाव बढ़ने और तकनीकी समस्याओं की संभावना को देखते हुए, सभी किसान भाईयों से अनुरोध है कि वे 7 मार्च की प्रतीक्षा किए बिना तत्काल अपना पंजीयन सुनिश्चित करें। 'समय पर पंजीयन कराएं, असुविधा से बचें।'

समरसता गेर और फाग यात्रा निकलेगी 8 को

मंदसौर। होली हमारी संस्कृति का एक प्रमुख त्यौहार है यह केवल रंगों का त्यौहार नहीं बल्कि सामाजिक समरसता एकता प्रेम और भाईचारे का प्रतीक भी है इस त्यौहार में सभी लोग गिले शिकवे भूलकर उत्साह से भाग लेते हैं जिस समाज एकता के सूत्र में बनता है।

सामाजिक समरसता मंच लगभग दो दशकों से मंदसौर नगर में निवास करने वाले सभी समाज बंधुओं एवं सभी धार्मिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों के साथ यह पर्व मनाता चला आ रहा है। 8 मार्च को सामाजिक समरसता मंच एक भव्य और दिव्य फाग यात्रा का आयोजन करने जा रहा है।

इस आयोजन को भव्यता प्रदान करने के लिए नगर में निवास रत सभी समाज प्रमुखों की एवं विभिन्न धार्मिक संगठनों की एक आवश्यक बैठक केशव नगर स्थित शिशु मंदिर के सभागार में आयोजित की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ अभिभाषक दशरथ सिंह झाला ने कहा कि हमारे शेष त्योहार हम परिवार में मनाते हैं एक होली का पर्व ही वो पर्व है जो सामाजिक रूप से मनाया जाता है। इसलिए हम सबको पूरे उत्साह के साथ अधिक से अधिक संख्या में आना है और रंग पंचमी पर फाग महोत्सव को यादगार बनाना है।

वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी ने कहा कि हमें गर्व है कि हमारे मंदसौर शहर ने पूरे देश को सामाजिक समरसता का संदेश दिया है और इसका माध्यम बना है होली पर्व। यह प्रयोगवादी नगर है कोई भी रचनात्मक प्रयास हमेशा सफल होते हैं। इस बार 20 बस्तियों की गैर महागैर में परिवर्तित होगी ओर विहंगम स्वरूप फाग यात्रा का रंग पंचमी पर होगा।

इस अवसर पर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रेस क्लब अध्यक्ष पुष्पराज सिंह राणा वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र धनोतिया, विकास भंडारी पंडित गोपाल कृष्ण त्रिपाठी अनिल मांडवकर नरेंद्र सिंह चौहान डॉक्टर प्रवीण मंडलोई कपिल भंडारी आदि कई समाज सेवियो द्वारा समरसता ग़ैर को भव्य और दिव्य बनाने के सुझाव दिए।

पूरे नगर को तीन उपनगर एवं 20 भागों में विभाजित कर प्रत्येक क्षेत्र से ढोल नगाड़ों के साथ प्रात: 9 बजे से गैर निकल जाएगी यह सभी गैर प्रात: 11 बजे घंटाघर पर एकत्रित होगी। घंटाघर से प्रात: 11रू00 बजे यह महागैर कालिदास मार्ग भारत माता चौराहा बालाजी मंदिर बस स्टैंड युवराज क्लब होते हुए गांधी चौराहे पर समाप्त होगी। जिसमें 51 ढोल, बैंड बाजे ,रंग और गुलाल उड़ने वाले फाइटर, भगोरिया नृत्य की टोलियां, फाग गीतों के माध्यम से लोगों को मंत्र मुक्त कर देने वाले गायक कलाकार, चलीत झांकियां, नृत्य करते रंग और गुलाल उड़ती युवाओं की टौलिया आकर्षण का केंद्र रहेगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच अध्यक्ष राजेश कासट ने की।

नरवाई प्रबंधन से किसानों को लाभ व पर्यावरण का भी संरक्षण संभव : कलेक्टर अदिती गर्ग

मंदसौर। किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर में कृषि विभाग व कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में नरवाई प्रबंधन विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए कलेक्टर अदिती गर्ग ने कहा कि नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम होती है और पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने किसानों से नरवाई को जलाने के बजाय मिट्टी में मिलाकर उसका वैज्ञानिक प्रबंधन अपनाने का आग्रह किया, जिससे उत्पादन बढ़ेगा और भूमि की गुणवत्ता भी सुरक्षित रहेगी।

कलेक्टर ने बताया कि जिले में अलसी के डंठल से रेशा तैयार करने का नवाचार किया जा रहा है, जिसके तहत एफपीओ के माध्यम से किसानों को प्रति हेक्टेयर 1200 से 1500 रुपये तक प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान है। उन्होंने संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए किसानों को इस पहल से जोड़ने के निर्देश दिए।

कृषि विभाग के उपसंचालक मोदी ने कृषि यंत्रों पर उपलब्ध अनुदान की जानकारी दी, वहीं कृषि विज्ञान केंद्र के चुडावत ने वेस्ट डी-कंपोजर व बायो कंपोजर के उपयोग सहित आधुनिक खेती तकनीकों की जानकारी दी। किसानों को नरवाई नहीं जलाने की शपथ दिलाई गई।

एक नजर — मध्यप्रदेश के मंदसौर का शुद्ध स्वाद बना सरस मेले की शान, स्टॉल पर लगी रहीं लंबी कतारें

मंदसौर की मिट्टी की खुशबू, गुरुग्राम में बनी पहचान

सास-बहू की जोड़ी ने बढ़ाया जिले का मान
आत्मनिर्भर भारत की मजबूत तस्वीर बना मंदसौर
नोएडा के बाद गुरुग्राम में भी छाया मंदसौर

मंदसौर। मंदसौर की पहचान-गुणवत्ता, परंपरा और विश्वास महाराणा स्व-सहायता समूह की दीदियों ने यह साबित कर दिया है कि ग्रामीण महिला शक्ति जब संकल्प लेती है, तो जिला ही नहीं, प्रदेश का नाम रोशन कर देती है।

अफीम, श्री पशुपतिनाथ मंदिर और कृषि समृद्धि के लिए प्रसिद्ध यह जिला अब अपने शुद्ध और नेचुरल शरबत के लिए भी

यह है असली गांव का स्वाद ' -गुरुग्राम बोला

मेले में आने वाला हर व्यक्ति जैसे ही इन शरबतों का स्वाद लेता है, उसके चेहरे पर संतोष साफ दिखाई देता है। स्टॉल पर उपलब्ध प्रमुख शरबत- होली स्पेशल ठंडाई, शाही गुलाब, खस, केसर-बादाम, राजभोग, आम पन्ना, नेचुरल लेमन, अष्टामृत ये सभी शरबत पारंपरिक विधि से तैयार किए जाते हैं। इनमें किसी प्रकार का हानिकारक केमिकल नहीं मिलाया जाता, ग्राहकों की जुबान पर एक ही बात-इतना शुद्ध और असली स्वाद आज के समय में मिलना दुर्लभ है। मंदसौर ने सच में दिल जीत लिया। मंदसौर की पहचान-गुणवत्ता, परंपरा और विश्वास महाराणा स्व-सहायता समूह की दीदियों ने यह साबित कर दिया है कि ग्रामीण महिला शक्ति जब संकल्प लेती है, तो जिला ही नहीं, प्रदेश का नाम रोशन कर देती है। समूह की दीदी बताती हैं कि मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला परियोजना प्रबंधक मंदसौर अनिल मरावी और ब्लॉक अधिकारी अखिलेश कटलाना के मार्गदर्शन ने उन्हें नई दिशा दी। उनका कहना है -हमारा उद्देश्य सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि मंदसौर जिले की प्रतिष्ठा और देसी स्वाद को देशभर तक पहुंचाना है। महिला आत्मनिर्भरता की प्रेरक गाथा-यह सिर्फ शरबत की कहानी नहीं है, यह मंदसौर की मेहनती महिलाओं की कहानी है-जो आज आत्मनिर्भरता, स्वदेशी उत्पाद और ग्रामीण उद्यमिता का प्रतीक बन चुकी हैं। नोएडा के बाद अब गुरुग्राम में भी मंदसौर का शरबत सरस मेले की शान बन गया है। मंदसौर- अब स्वाद से भी बनेगा राष्ट्रीय ब्रांड कृषि और धार्मिक पहचान के साथ-साथ अब मंदसौर अपनी शुद्धता और देसी स्वाद के कारण भी राष्ट्रीय मंच पर मजबूती से उभर रहा है। यह सिर्फ एक स्टॉल की सफलता नहीं, यह पूरे मंदसौर जिले के मान-सम्मान और गौरव की बढ़ती पहचान है।

राष्ट्रीय पहचान बना रहा है। सरस आजीविका मेला 2026 में लेज़र वैली पार्क, गुरुग्राम में आयोजित इस भव्य मेले में इस बार फिर मंदसौर जिले के महाराणा स्व-सहायता समूह की सास-बहू की जोड़ी ने अपने नेचुरल और होममेड शरबत से ऐसा स्वाद बिखेरा कि पूरा मेला उनकी चर्चा से गूंज उठा। सुबह से देर शाम तक उनके स्टॉल पर ग्राहकों की लंबी कतारें इस बात की गवाही देती हैं कि मंदसौर का स्वाद अब राष्ट्रीय मंच पर अपनी अलग पहचान बना चुका है।

नीमच

एक नजर में

ज्ञानोदय यूनिवर्सिटी में वार्षिक खेलकूद का दूसरा दिन भी रहा रोमांच से भरपूर

नीमच। जिले की प्रतिष्ठित अकादमी संस्था ज्ञानोदय यूनिवर्सिटी के अंतर्गत संचालित होने वाले विभिन्न महाविद्यालय के विद्यार्थियों के मध्य वार्षिक खेलकूद का आज का दूसरा दिन भी बेहद रोमांच से भरपूर रहा। आज के दिन के सम्मानित मुख्य अतिथि श्री प्रवीण जी शर्मा पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान सचिव जांगिड़ ब्राह्मण समाज नीमच राकेश शर्मा विज्ञान जांगिड़ ब्राह्मण समाज नीमच महेंद्र राव खेल अधिकारी गर्ल्स नीमच एवं संजीव जी थोरेचा खेल अधिकारी बॉयज कॉलेज नीमच तथा संस्था के अध्यक्ष श्री अनिल जी चौरसिया थे। अतिथियों का स्वागत केंद्र डॉ.सुरेंद्र शक्तावत आईटीआई के प्राचार्य एच एस राठौर डॉ.दिनेश तिवारी एवं ललित यादव ने किया। कार्यक्रम का सफलतम संचालन प्रो. पंकज श्रीवास्तव ने किया। । खेल अधिकारी महबूब खान एवं सुजीत यादव ने बताया कि खो-खो का पहला मैच बीएड वर्सेस आईटी आई कनावटी के बीच हुआ जिसमें बीएड की टीम विजेता रही। खो-खो का दूसरा मैच नर्सिंग (गर्ल्स) वर्सेस पैरामेडिकल (गर्ल्स) के बीच खेला गया जिसमें पैरामेडिकल (गर्ल्स) टीम विजेता रही। आज का कबड्डी का पहला मैच बीएड वर्सेस आईटीआई मानसा के मध्य हुआ जिसमें आईटीआई मनासा ने 26-10 के अंतर से मैच जीत लिया। ज्ञानोदय यूनिवर्सिटी के दूसरे दिन आज कबड्डी के टूर्नामेंट में पहला मैच आईटीआई मानसा और बी.एड के मध्य हुआ इस कड़े मुकाबले में आईटीआई मानस ने शानदार जीत हासिल की तथा दूसरे मैच में एग्रीकल्चर और मैनेजमेंट के मध्य हुआ जिसमें एग्रीकल्चर ने शानदार जीत हासिल की और तीसरा मुकाबला पैरामेडिकल और पॉलिटेक्निक फर्स्ट के मध्य हुआ जिसमें पॉलिटेक्निक फर्स्ट ने बड़े आराम से मैच जीत लिया जानकारी प्राध्यापक प्रोफेसर पंकज श्रीवास्तव एवं प्रो.अनूप चौधरी द्वारा प्रदान की गई।

अनूठी मिसाल : गोमाता का अंतिम संस्कार विधि विधान पूर्वक किया

नीमच। आज एक बजरंग दल गो रक्षक ने समाज में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। जब उनकी गोमाता का देहांत हुआ, तो उन्होंने खुद अपनी जिम्मेदारी समझते हुए, नगर पालिका का सहारा न लेकर, अपने निजी खर्च पर एक जेसीबी वाहन बुलवाकर गोमाता का अंतिम संस्कार विधि विधान पूर्वक किया। यह कदम सभी के लिए एक प्रेरणा बन गया, जिससे गोमाता के प्रति सम्मान और उनके जीवनकाल के योगदान की सराहना की गई।एक गोमाता अपने जीवनकाल में किसान को दूध और अन्य संसाधन देकर बहुत बड़ा ऋण चुकाती है। इसलिए, हमें भी अपनी जिम्मेदारी समझना चाहिए, गोमाता को सम्मानपूर्वक विदा देकर उनका यह ऋण कुछ हद तक चुका सकते हैं, ताकि उनकी सेवा और योगदान को सच्ची श्रद्धा मिल सके।जिसमे बजरंग दल जिला बलोपासना प्रमुख दिलीप ग्वाला, प्रखंड सह गोरक्षा प्रमुख विशाल सफ़ा,विष्णु कुमिया ,दीपक कुमिया,महेश अहीर,उज्जवल,प्रिंस सुराह,विनय,वंश सुराह,सक्षम बनिया और जिला सह गोसेवा प्रमुख सूरज ग्वाला का सहयोग रहा उपरोक्त जानकारी विश्व हिंदू परिषद जिला सह गौसेवा प्रमुख सूरज ग्वाला ने दी।

3.25 करोड़ की लागत से तैयार हो रहा स्वीमिंग पूल अंतिम चरण में

खेल गतिविधियों का विस्तार, अप्रैल से स्वीमिंग पूल की सुविधा

मनासा। शहरवासियों के लंबे इंतजार के बाद संभाग स्तरीय स्वीमिंग पूल अब पूर्णता की ओर है। लगभग 3.25 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित इस आधुनिक स्वीमिंग पूल का 95 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। अप्रेल माह में इसे आमजन के लिए प्रारंभ किए जाने की पूरी संभावना है।

स्वीमिंग पूल में रंगाई-पुताई, लाइटिंग, टाइल्स फिनिशिंग, चेंजिंग रूम, फिल्ट्रेशन प्लांट और सुरक्षा व्यवस्थाओं से जुड़े अंतिम कार्य तेजी से चल रहे है। स्वीमिंग पूल निर्माण के लिए परिषद् की निकाय, विधायक, सांसद तथा विशेष निधि से राशि स्वीकृत की गई है। स्वीमिंग पूल बनने के बाद शहर के युवाओं की खेल और स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि होगी। इससे बच्चों, युवाओं और खेल प्रतिभाओं को स्थानीय स्तर पर तैराकी का प्रशिक्षण मिल सकेगा। विधायक अनिरुद्ध माधव मारू स्वीमिंग पूल निर्माण के लिए विभिन्न स्तर काफी प्रयास किए हैं।

करोड़ों से रामपुरिया तालाब का कायाकल्प -नगर परिषद द्वारा रामपुरिया तालाब के विकास को भी प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया गया है। वर्ष 2022-23 में परियोजना के अंतर्गत लगभग एक करोड़ रुपए की लागत से निर्माण कराया गया। इसमें तालाब गहरीकरण, मिट्टी खुदाई, उसी मिट्टी से पाल निर्माण, टो वॉल एवं पिचिंग कार्य संपन्न किया गया। साथ ही वर्षा जल की आवक सुनिश्चित करने के लिए आरसीसी ह्यूम पाइप ड्रेन डाली गई। झुग्गी बस्ती से गंदे पानी के प्रवाह को रोकने के लिए आरसीसी पाइपलाइन, वेस्ट वियर तक सीवर लाइन एवं चैबर का निर्माण किया गया। सुरक्षा की दृष्टि से पाल पर चेन लिंक फेंसिंग और प्रवेश गेट लगाए गए।इसके बाद वर्ष 2024-25 में अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत वृंदावन गार्डन की ओर लगभग 75 लाख रुपए की लागत से तालाब का पुन: गहरीकरण, पाल निर्माण, स्टोन टो वॉल, पिचिंग, रेलिंग और स्टोन फुटपाथ निर्माण कार्य पूर्ण किया गया। इससे तालाब का स्वरूप न केवल आकर्षक बना है, बल्कि जल संरक्षण की दृष्टि से भी यह उपयोगी सिद्ध होगा।

इनका कहना है -

शहर के विकास हेतु परिषद पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। स्वीमिंग पूल का कार्य अंतिम चरण में। में है। अप्रैल में इसे जनता को समर्पित करने की पूरी योजना है। वृंदावन गार्डन और रामपुरिया तालाब का विकास भी हमारी प्राथमिकता में है। पूर्व में जो भी अनियमितताएं हुई हैं उस संबंध में जांच एजेंसियों के निर्देशों का पालन करते हुए कार्य में पूरी पारदर्शिता बरती जा रही है।

- डॉ. सीमा तिवारी, अध्यक्ष नगर परिषद्

वृंदावन गार्डन के के विकास का कार्य जारी है। रामपुरिया तालाब का कार्य पूर्ण हो चुका है। 1 है। स्वीमिंग पुल में सिर्फ फिनिशिंग कार्य एवं कलर आदि कार्य बचे हैं जो मार्च माह में पूर्ण हो जाएंगे। अप्रेल माह में स्वीमिंग पुल की सुविधा नगरवासियों को मिल जाएगी।

- रविश कादरी, इंजीनियर नगर परिषद् मनासा

पलाश के पेड़ों पर टेसू के फूलों की बहार

नीमच। पतझड़ के मौसम में क्षेत्र में पलाश के पेड़ों पर खिले टेसू के फूल इन दिनों लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए है। नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में पलाश के वृक्ष लाल-लाल फूलों से लदकर प्रकृति की अनुपम छटा बिखेर रहे हैं। मार्ग से गुजरने वाले राहगीर इन फूलों की सुंदरता को निहारते हुए ठहरने को मजबूर हो रहे हैं।

ग्रीष्म ऋतु के आगमन से पहले, जहां अधिकतर पेड़ों से पत्ते झड़ने लगते हैं, वहीं दूसरी ओर पतझड़ मौसम में पलाश के पेड़ों पर टेसू के फूलों की बहार प्रकृति का अनोखा करिश्मा प्रस्तुत करती है। पूरा पेड़ पत्तों के बिना लाल फूलों से लदा हुआ दिखाई देता है, जिससे वातावरण में विशेष आकर्षण और रंगीनता का एहसास होता है। नगर के कतरगांव-बलवाडा मुख्य मार्ग, पाडल्या से बलसगांव मार्ग सहित नगर से अन्य प्रमुख सड़कों के किनारे व खेतों में लगे पलाश के पेड़ों पर खिले टेसू के फूलों की छटा मनमोहक दृश्य प्रस्तुत कर रही है। राहगीरों और स्थानीय नागरिकों के लिए यह दृश्य विशेष आकर्षण का विषय बना हुआ है। नगर के वरिष्ठजनों ने बताया कि पलाश के पेड़ों पर टेसू के फूलों की बहार होली पर्व के आगमन का संकेत मानी जाती है। पूर्व समय में लोग इन फूलों को तोड़कर प्राकृतिक रंग तैयार करते थे और उसी से होली खेलते थे। प्राकृतिक रंगों से मनाई जाने वाली होली स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होती थी। वर्तमान समय में बाजार में उपलब्ध रासायनिक रंगों के कारण यह परंपरा लगभग समाप्त होती जा रही है। हालांकि अब सूखे गुलाल से भी होली खेली जाती है।

चार दिवसीय फाग महोत्सव शुरू : नीलकंठ महादेव मंदिर से निकली निशान यात्रा ; तीन दिन होंगे आयोजन

नीमच। शहर में बुधवार से चार दिवसीय फाग महोत्सव की शुरुआत हो गई है। महोत्सव के पहले दिन मनासा रोड स्थित बोरखेड़ी के नीलकंठ महादेव मंदिर से एक विशाल निशान यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्याम भक्त शामिल हुए।

शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी यात्रा- यह निशान यात्रा नीलकंठ महादेव मंदिर से शुरू होकर मनासा नाका और नीमच सिटी होते हुए शहर के मुख्य मार्गों से गुजरी। यात्रा के दौरान भक्त श्याम भजनों पर नृत्य करते हुए चल रहे थे। मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। देर शाम यह यात्रा खाटू श्याम मंदिर पहुंची, जहां भक्तों ने बाबा के दर्शन किए। यह आयोजन प्राचीन श्री श्याम मंदिर और बावड़ी वाले बालाजी के नेतृत्व में किया गया।

महोत्सव के तहत अगले तीन दिनों तक विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे:

26 फरवरी (गुरुवार): नरसिंह मंदिर घंटाघर से बाबा की भव्य पालकी यात्रा निकाली गई।

27 फरवरी (शुक्रवार): फागुन एकादशी पर बाबा श्याम का विशेष श्रृंगार होगा। इस दिन छप्पन भोग लगाकर महाआरती और प्रसाद वितरण किया जाएगा।

28 फरवरी (शनिवार): अखंड जोत और भव्य कीर्तन के साथ चार दिवसीय महोत्सव का समापन होगा।

एक नजर — त्योहार पर असमंजस - ज्योतियाचार्यों के भी अलग-अलग मत

2 को होलिका दहन, 3 को चंद्रग्रहण, 4 मार्च को मनेगा धुलेंडी पर्व

नीमच। होली की तारीख को लेकर लोगों में असमंजस बना हुआ है। होलिका दहन और धुलंडी की तारीख को लेकर ज्योतिषाचार्यों का भी अलग-अलग मत है। कारण 3 मार्च को लगने वाले चंद्रग्रहण और पूर्णिमा पर भद्रा का प्रभाव। अब सवाल है कि होलिका दहन कब होगा और रंगों की होली किस दिन खेली जाएगी। शिव मंदिर ज्योतिषाचार्य शैलेंद्र उपाध्याय का कहना है कि 2 को प्रदोषकाल और पूर्णिमा होने से होली दहन कर सकते है, लेकिन इसका विशेष मुहूर्त 3 को सुबह 4 से 5 के बीच का रहेगा।जबकि 3 को चंद्रग्रहण का सूतक काल रहेगा। इसलिए

धुलेंडी 4 मार्च को मनाई जाएगी।

रंगों वाली होली किस दिन खेली जाएगी -

ज्योतिषाचार्य शैलेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि 3 मार्च को चंद्रग्रहण होगा, जो भारत में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। ग्रहण दोपहर 3 बजकर 21 मिनट से शुरू होकर शाम 6 बजकर 47 मिनट तक रहेगा। लेकिन इसका सूतककाल सुबह 6.20 से ही शुरू हो जाएगा। इसमे रंग-गुलाल खेलना शुभ नहीं माना जाता, इसलिए 3 मार्च को रंगों की होली नहीं खेली जाएगी। 3 मार्च की शाम को

ग्रहण समाप्त होने के बाद शुद्धिकरण और स्नान किया जाएगा। इसके अगले दिन 4 मार्च को रंगों की होली का उत्सव मनाया जाएगा। 2 मार्च होलिका दहन किया जाएगा। चंद्रग्रहण दोपहर 3.20 से 6.45 तक रहेगा।

सूतक सुबह से

3 मार्च को चंद्रग्रहण भारत में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। ग्रहण दोपहर 3 बजकर 21 मिनट से शुरू होकर शाम 6 बजकर 47 मिनट तक रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार चंद्रग्रहण का सूतक ग्रहण शुरू होने से 9 घंटे पहले लग जाता है। इस आधार पर 3 मार्च को सुबह लगभग 6 बजकर 20 मिनट से सूतक प्रभावी माना जाएगा। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि सूतक और ग्रहण के प्रभाव में रंग-गुलाल खेलना शुभ नहीं माना जाता। इसलिए 3 मार्च को रंगों की होली नहीं खेली जाएगी।